

कौन जगहा में मैया रखी है मटीकिया ॥२॥
 ये ठहर-ठहर कैसे चलूँ मैं डगर
 मैया माखन दे ॥२॥ माखन दे ॥२॥

मैया मुस्काये- ले बे हँस के बलैयाँ
 नंद जी कहें नटखट हैं कन्हैया
 मैं तो मान जाऊंगा - गैयाँ मैं चराऊंगा
 पहले माखन दे ॥२॥ माखन दे ॥२॥

कौन जगहा- ---

पहिली बार जब तुमसे कहा था
 जा बालों के संग रे
 ले-ले अपनी लकुटी कमरिया
 ना कर मोहे लंग रे
 रे कान्हा तेरी हठ हैं कैसी
 कैसी तेरो ढंग रे

कौन जगहा

सुन मैया गौअन के पाँदे
 मधुवन में तो जाऊँगो
 साँझ पेहर- गौअन के पाँदे
 वापिस घर में आऊँगो
 तू ही बता मर्दाने भूख में कैसे
 गौअन के संग जाऊँ हो

कौन जगहा ----

ओ मैया तू कितनी भोली
 कैसे "थीबाबाथी" समझाय हो
 मैं तेरो लाला- तू मेरी मैया
 काहे इतना रुत्ताय हो
 बात सुनी तो माता यशोदा
 सुन के रह गई दंग हो

कौन जगहा ----